डिप्लोमा इन एलिमेन्ट्री एजुकेशन (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् , बिहार

जनवरी 2017 से आरम्भ हुए डी.एल.एड. (दूरस्थ शिक्षा) के प्रथम सत्र के प्रशिक्षुओं के लिए

प्रदत्त प्रश्न (Assignment Questions)

प्रथम सत्र का विषयपत्र–S1.2 : बाल विकास और सीखना–1

प्रश्नों की संख्या : 5	प्रदत्त प्रश्न	अधिकतम अंक : 20

New Assignment
January, 2017 batch

दिशानिर्देश :

- प्रत्येक खण्ड से **एक–एक** प्रश्न करें। लगभग 400–500 शब्दों में उत्तर को लिखें।
- प्रदत्त प्रश्न के उत्तर में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किए जाने की अपेक्षा है : 1. डी.एल.एड.(ओ.डी.एल.) की स्वाध्याय सामग्रियों के अध्ययन से बनी समझ। 2. प्राथमिक विद्यालय के पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन–अध्यापन से बनी समझ। 3. अध्ययन केन्द्र पर साधनसेवियों व सहप्रशिक्षुओं के साथ हुई चर्चा से बनी समझ। 4. अपने विद्यालय व कक्षाकक्ष की विभिन्न गतिविधियों को करने से बनी समझ।
- निम्नलिखित प्रदत्त प्रश्नों को प्रशिक्षुओं द्वारा करके साधनसेवी को तुरन्त समीक्षा हेतु जमा करना होगा। कितने प्रशिक्षुओं ने उक्त प्रदत्त प्रश्न के उत्तर को जमा कराया, इसका रिकार्ड प्रत्येक साधनसेवी द्वारा रखा जाना अनिवार्य होगा, जिसकी जाँच समय–समय पर की जाएगी।

प्र.सं.	खण्ड–1	अंक : 04
1.A	शिक्षण के लिए बाल विकास की जानकारी होना क्यों जरूरी है? अपने विद्यालयी अनुभवों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	
1.B	बाल विकास से आप क्या समझते हैं? अपने विद्यालय के बच्चों के विकास के बारे में टिप्पणी करें।	

प्र.सं.	खण्ड–2	अंक : 04
2.A	शारीरिक विकास के विभिन्न पहलुओं का संक्षिप्त वर्णन करें। आपके विद्यालय में बच्चों के शारीरिक विकास के लिए कौन–कौन सी गतिविधियां की जाती हैं? इसका विवरण दें।	
2.B	विकास की विभिन्न अवस्थाओं में बच्चे के शरीर में होनेवाले परिवर्तन का सोदाहरण विश्लेषण करें। अपने विद्यालय के किसी कक्षा का चयन कर उसमें पढ़नेवाले बच्चों के शारीरिक विकास पर टिप्पणी करें।	

प्र.सं.	खण्ड–3	अंक : 04
3.A	मूर्त–क्रियात्मक अवस्था (Concreate operational stage) की मुख्य विशेषताएं क्या हैं। आपके विद्यालय की कौनसी कक्षाओं के बच्चे इस अवस्था के अंतर्गत आ सकते हैं?	
3.B	बच्चों के संज्ञानात्मक विकास से क्या तात्पर्य है? अपने विद्यालय के बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को अच्छी तरह बढ़ावा देने के लिए आप अपने शिक्षण में किस तरह की गतिविधियों को शामिल करेंगे।	

प्र.सं.	खण्ड–4	अंक : 04
4.A	बैण्डुरा के सामाजिक–अधिगम सिद्धांत से आपको क्या सीख मिलती है? इसका इस्तेमाल आप अपने विद्यालय में कैसे करेंगे। उदाहरण देते हुए समझाएं।	
4.B	वायगोत्स्की के सिद्धान्त के अनुसार बच्चे के संज्ञान के विकास में उसके समाजिक अनुभव और भाषा की क्या भूमिका होती है? समझाएं।	

प्र.सं.	खण्ड–5	अंक : 04
5.A	दैनिक जीवन से सम्बंधित कोई भी एक सम्प्रत्यय जैसे–बाजार, परिवार, मित्र आदि को लेकर इसपर अपने विद्यालय के बच्चों के सम्प्रत्यय निर्माण का विश्लेषण करें।	
5.B	बच्चों के सम्प्रत्यय निर्माण को आकार देनेवाले विभिन्न कारकों का विश्लेषण करें।	